Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 37, गुरुवार, 01 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

गोंडा : होली से पहले मौसम ने ली करवट, कोहरे व सर्द हवाओं के साथ ठंड ने फिर दी दस्तक

गोंडा। होली की आहट के साथ बदलते मौसम और गुनगुनी गर्मी के बीच बुधवार को सुबह गोण्डा में मौसम के तेवर अचानक बदले हुए नजर आए। चटक धूप की उम्मीद कर रहे लोगों के अरमानों पर बुधवार की सुबह ने पानी फेर दिया। मौसम में हो रहे अजब-गजब परिवर्तन से सर्द हवाओं के साथ एक बार फिर कोहरे ने वापसी कर सबको चौंका दिया है। अचानक बढ़ी ठंड के चलते एक बार फिर से लोग बक्से-पेटी में बंद हो चुके शॉल और स्वेटर निकालने को मजबूर हो गए हैं। मौसम में अचानक हुए इस बदलाव से हर कोई चकित रह गया। सुबह से ही चली सर्द हवाओं के साथ इलाके को कोहरे ने घेर लिया। कोहरा इतना जबर्दस्त था कि सड़कों पर वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गई। लोग अपने वाहनों की लाइटें जलाकर चल रहे हैं। कोहरे के साथ चली सर्द हवाओं से ठंड भी बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. उपेन्द्रनाथ सिंह ने कहा कि वे खुद चकित हैं कि ऐसा क्यों हुआ। उन्होंने बताया कि संभवत: वाष्पीकरण से ऐसा हुआ हो।

आप विधायक जारवाल की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीस हजारी कोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर कथित रूप से हमला करने पर गिरफ्तार किए गए आप विधायक प्रकाश जारवाल को मंगलवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने साथ ही कहा कि यह एक ऐसा मामला है, जिसमें एक व्यक्ति, एक वरिष्ठ नौकरशाह की मर्यादा का ''सरेआम उल्लंघन' किया गया। विशेष न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना ने यहां की देवली सीट के विधायक जारवाल की जमानत याचिका पर विचार करने से मना कर दिया। विधायक ने इस आधार पर अपने लिए राहत की मांग की थी कि वह युवा हैं और उनकी हाल ही में शादी हुई है।अदालत ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि यह एक ऐसा मामला है जहां 56 साल के एक व्यक्ति की मर्यादा सरेआम भंग की गई। इससे पहले गत 23 फरवरी को एक मजिस्ट्रेट अदालत ने मामले में दो विधायकों जारवाल व अमानतुल्ला खान को जमानत देने से मना करते हुए कहा था कि यह ध्यान में रखते हुए कि वे ''हिस्ट्री शीटर' हैं, मामले को ''सामान्य एवं नियमित तरीके से' नहीं लिया जा सकता। सत्र अदालत में जारवाल के लिए जमानत की मांग करते हुए उनके वकील बीएस जून ने दलील दी कि उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं और वे ''हिस्ट्री शीटर नहीं' हैं। दोनों को 22 फरवरी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

राशन की डोर स्टेप डिलिवरी का प्रस्ताव तैयार करें मुख्य सचिव : सिसोदिया

नई दिल्ली (एजेंसी) । उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि राजधानी में खाद्य आपूत्तर्ि को लेकर कैबिनेट के निर्णय को खाद्य विभाग ने लागू नहीं किया गया। कैबिनेट की पिछली बैठक में भी इस पर विचार हुआ। मंगलवार कैबिनेट की बैठक में मुख्य सचिव को पूछा गया कि खाद्य विभाग ने कैसे कैबिनेट निर्णय का उल्लंघन कर प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) व्यवस्था लागू किया है। साथ ही मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया है कि कैबिनेट निर्णय का उल्लंघन कैसे हुआ इसकी जांच कर दो सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही मुख्य सचिव को राशन की डोर स्टेप डेलिवरी का प्रस्ताव तैयार कर इसे कैबिनेट के समक्ष लाने कहा गया है।

सीएम के सलाहकार वीके जैन गए मेडिकल लीव पर

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री के सलाहकार वीके जैन एक हफ्ते के चिकित्सा अवकाश पर चले गए हैं। मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर कथित तौर पर हमले के सिलसिले में पुलिस ने उनसे पूछताछ की थी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर 19 फरवरी की रात को एक बैठक के दौरान आप विधायकों ने अंशु प्रकाश से कथित तौर पर मारपीट की थी। उक्त घटना के बाद से जैन मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं आ रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने पिछले हफ्ते अदालत को बताया था कि पूछताछ के दौरान जैन ने खुलासा किया कि आप विधायक प्रकाश जारवाल और अमानतुल्ला खान ने मुख्य सचिव को घेर लिया और केजरीवाल के आवास पर उन पर हमला करते देखा। बहरहाल जैन ने पहले कहा था कि उन्होंने कुछ नहीं देखा था क्योंकि घटना के समय वह वॉशरूम गए हुए थे। मुख्य सचिव पर कथित हमले के बाद से वह कार्यालय नहीं आ रहे हैं।

>> फर्जी डॉक्टर गले में स्टेथोस्कोप डाल अन्य डॉक्टरों को देता था आदेश

एम्स में धरा गया मुन्ना भाई एमबीबीएस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में उत्कृष्ट स्वास्य सेवाओं के लिए विख्यात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एक नकली डाक्टर के सक्रिय होने का हैरतअंगेज मामला सामने आया है। गले में स्टेथोस्कोप डाल कर्मचारियों को डांटते हुए इस फर्जी डॉक्टर को एम्स के सुरक्षा गाडरे ने मंगलवार को रंगे हाथों पकड़ा। पूछताछ में यह नकली डाक्टर खुद को अस्थिरोग विभाग का फैकल्टी सदस्य और वरिष्ठ डॉक्टर होने का दावा करता रहा। मुन्ना भाई एमबीबीएस ये जनाब सुरक्षा के राडार पर तब आए जब वे उसी विभाग के फैकल्टी सदस्य से रूबरू हो गए। जानकारी के अनुसार 4 फरवरी को भी ये एम्स के ट्रामा सेंटर में जाकर डॉक्टरों पर रौब जमा रहा था लेकिन जब सीसीटीवी में इसकी पहचान फर्जी के डॉक्टर रूप में हुई तो सभी सुरक्षा गाडरे को सचेत कर दिया था। इसके बाद मंगलवार को सुरक्षा गाडरे ने इसे पकड़ने में महती सफलता हासिल की। मौके पर पहुंची पुलिस को पूछताछ में इस नकली डॉक्टर ने अपनी पहचान छत्तरपुर स्थित राजपुर खुर्द निवासी डाक्टर एफआरसीएस, लंदन उर्फ डा. राम किशन गुप्ता के रुप में बताई।

एम्स के सुरक्षा गाडरे ने आखिरकार दबोचा फर्जी डॉक्टरफाइलों को आगे बढ़ाने जांच जल्दी करवाने के लिए नसरे को डांटता तक था पहले भी पकड़ा गया एक फर्जी डॉक्टर ठीक इसी तरह पिछले वर्ष भी एम्स में फर्जी डॉक्टर पकड़ा गया था जिसे प्रबंधन की ओर से तत्काल दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया था। ये डॉक्टर अस्पताल के बाहर वेटिंग पाने वाले मरीजों से डील करता और अंदर जाकर उनकी फाईल आगे बढ़ाते हुए तत्काल इलाज कराने का आदेश देता था। कुछ समय बाद जब पोल खुली तो प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हुआ।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह अपने रिश्तेदारों का सही इलाज कराने के लिए अस्पताल में अक्सर फर्जी डॉक्टर बनकर आता था।

दिल्ली में पढ़ी है डॉक्टरी का झूठ : शुरु आती पूछताछ में फर्जी डॉक्टर राम किशन गुप्ता ने अपना रौब जमाते हुए कर्मचारियों को ऊंचे अधिकारियों से कार्रवाई कराने की धमकी दी। इसके बाद जब मौके पर पुलिस पहुंची तो उसने बताया कि दिल्ली के एक मेडिकल कॉलेज से उसने साल 2000 में एमबीबीएस की डिग्री ली है। जबकि वर्ष 2006 में उसने एमएस पूरा किया है और वह एम्स के हड्डी रोग विभाग में तैनात है। कुछ देर खुद को बेकसूर बताने और सरकार में ऊंची पहुंच होने का दखल देने वाला राम किशन थोड़ी देर बाद हाथ जोड़कर खड़ा हुआ और उसने पूरी सच्चाई पुलिस के समक्ष बयां की।

कई महीनों से सुरक्षा एजेंसियों को चकमा दे रहा था : एम्स के डॉक्टरों की माने तो आरोपी राम किशन को पिछले कुछ वर्षो में कई बार परिसर में घूमते हुए देखा गया है। हर बार राम किशन अपनी पहचान एक वरिष्ठ डॉक्टर और फैकल्टी का साबित करने का प्रयास करता था। इसलिए जूनियर डॉक्टर ज्यादा पूछताछ करने से परहेज करते थे। डॉक्टरों के पास आकर मरीज की फाइल ऊपर कर नसरे को डांटना, जांच जल्दी कराना आदि काम कराने के लिए वह ट्रामा सेंटर में एक तरह से रैकेट जमाने में लगा था।

ऐसे आया सुरक्षा एजेंसियों की नजर में : एम्स सुरक्षा विंग के प्रमुख दीपक कुमार ने कहा कि दरअसल नकली डॉक्टर रामकिशन पर एम्स कई दिनों से निगाह जमाए था। चार फरवरी की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग देखने के बाद अस्पताल के सभी डॉक्टर और कर्मचारी सचेत हो गए थे। ताकि सफेद कोट की आड़ में धोखाधड़ी करने वाले इस शख्स धर पकड़ा जा सके।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के मुद्दे का समाधान जल्द : श्री श्री रविशंकर

गोरखपुर। श्री श्री रविशंकर ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के मुद्दे पर प्रमुख लोगों से बातचीत निरंतर जारी है। उम्मीद है कि शीघ्र ही कोई समाधान निकल आएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मंगलवार को मुलाकात में इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। योगी आदित्यनाथ का भी मानना है कि कोर्ट के बाहर इसका हल निकल जाए तो अच्छा है।

श्री श्री रविशंकर ने कहा कि मैं लखनऊ जाकर मौलाना अरसद नदवी से मुलाकात करूंगा।

इस विवाद का शीघ्र ही बातचीत से समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी। मंगलवार को श्री श्री ने गोरखनाथ मंदिर में 30 मिनट तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से चर्चा की थी। इसके साथ ही बुधवार को श्री श्री ने रेलवे गेस्ट हाउस में श्रद्धालुओं से मुलाकात की।

इस दौरान श्रद्धालु बाहर बरामदे में भजन-कीर्तन कर रहे थे। इस बीच श्रीश्री यहां से निकल कर अपनी अनुयायी शिखा बिज के घर गए। शिखा से मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम पूछी। फिर रेलवे स्टेशन आए। उसके बाद श्री श्री रविशंकर स्पेशल ट्रेन से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। रास्ते में बढ़नी, श्रावस्ती सहित कई स्थानों पर उनके रुकने का कार्यक्रम है।

ताज महोत्सव: सिंगर पलक मुच्छल के घरवालों और ऑर्गनाइजर में हुई हाथापाई

आगरा। ताज महोत्सव आयोजन के अंतिम दिन मंगलवार को मुक्ताकाशीय मंच अचानक उस वक्त जंग का अखाड़ा बन गया जब प्लेबैक सिंगर पलक मुच्छाल से एक गीत की डिमांड पर माहौल बिगड़ गया और मंच पर हाथापाई होने लगी। इसके चलते कार्यक्रम बीच में ही रोकना पड़ा। डीएम ने मामले की जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है। हिंदी फिल्मों की उभरती हुई पार्श्व गायिका शिल्पग्राम के मुक्ताकाशीय मंच पर एक के बाद एक प्रस्तुति दे रही थीं। यहां आयोजन समिति के सांस्कृतिक संयोजक सुधीर नारायन व पर्यटन विभाग के अधिकारी मंच के बाईं ओर बैठे थे। इसी दरम्यान एक अधिकारी के अनुरोध पर सुधीर नारायण ने पलक का गाना पूरा होते ही मंच पर जाकर पलक से होली का गीत गाने को कह दिया। इस पर मंच पर मौजूद पलक की मां भड़क गईं। उनके और सुधीर नारायण में कहासुनी होने लगी। पलक की मां ने तेज आवाज में सुधीर नारायण से कहा कि वह किस हैसियत से मंच पर मौजूद हैं। चलिए हटिए यहां से। इस पर सुधीर नारायण ने कहा, वे नहीं हटेंगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसी दौरान वहां मौजूद पलक के भाई पलाश मुच्छाल ने सुधीर नारायण की गर्दन पर मुक्का मार दिया। इसके बाद दोनों ओर से मारपीट और खींचतान शुरू हो गई। पलक और उनकी मां भी आक्रामक मुद्रा में आयोजकों पर गुस्सा उतारने लगीं। मंच अब अखाड़ा बन गया था। सामने मौजूद हजारों दर्शक ये नजारा देखकर भौचक्के रह गए। घटना के वक्त श्रोताओं की पहली पंक्ति में कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी खुद यह नजारा देख रहे थे। डीएम गौरव दयाल भी मौजूद थे। उन्होंने भी मामले में बीचबचाव किया। बाद में कार्यक्रम बीच में ही बंद करना पड़ा।

घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी जांच होगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। -गौरव दयाल, डीएम आगरा

अनूठा कदम:

सिर्फ महिलाएं संभालेंगी यूपी के इन रेलवे स्टेशनों की बागडोर,

इलाहाबाद। उत्तर मध्य रेलवे के इलाहाबाद मंडल में दो स्टेशनों पर अब सिर्फ महिला कर्मचारी ही नजर आएंगी। हावड़ा-दिल्ली मेन रूट पर स्थित इन दोनों स्टेशनों पर स्टेशन मास्टर से लेकर आरपीएफ जवान, बुकिंग क्लर्क आदि महिला ही तैनात की जाएंगी। डीआरएम एसके पंकज की पहल पर देश में अपने तरह का यह पहला अनूठा प्रयोग होने जा रहा है। इसके लिए इलाहाबाद के बम्हरौली और कानपुर के गोविंदपुरी स्टेशन को चुना गया है।

इलाहाबाद मंडल में दो ए ग्रेड स्टेशन इलाहाबाद और कानपुर हैं। ऐसे में दोनों ए ग्रेड स्टेशन के पास के एक-एक स्टेशनों की बागडोर महिलाओं के हाथों में देने की योजना बनाई गई है।

इसके तहत इलाहाबाद के बम्हरौली और कानपुर के गोविंदपुरी स्टेशन का चयन किया गया है। इन दोनों स्टेशनों पर तीनों शिफ्ट में सिर्फ महिला कर्मचारियों की तैनाती होने जा रही है। इसके लिए कॉमर्शियल, ऑपरेटिंग और सुरक्षा विभाग की महिला कर्मचारियों से तबादले की सहमति ली जानी है।

इलाहाबाद और आसपास के स्टेशनों तथा कानपुर और आसपास के स्टेशनों पर तैनात महिला कर्मचारियों की टीम इन दो स्टेशनों की कमान संभालने के लिए भेजी जाएगी। इसके बाद इन दोनों स्टेशनों पर रेल परिचालन की कमान संभालने वाले स्टेशन मास्टर से लेकर बाकी सभी पदों पर सिर्फ महिला कर्मचारी ही नजर आएंगी। सुरक्षा की कमान

संभालने के लिए यहां महिला जवान तैनात होंगी तो टिकट खिड़की पर महिला बुकिंग क्लर्क रहेगी।

महिला सशक्तीकरण का संदेश

रेलवे में महिलाएं काफी समय से विभिन्न पदों पर काम कर रही हैं। ट्रेन चलाने जैसी जिम्मेदारी भरी ड्यूटी महिला लोको पायलट अर्से से कर रही हैं। वहीं, टीटीई ट्रेन लेकर रात में भी दिल्ली व अन्य शहरों के लिए रवाना हो रहीं हैं। अन्य पदों पर भी महिलाएं बखूबी काम अंजाम दे रही हैं। पर पुरुषों के बीच काम करने से उनकी ताकत को समाज पूरी तरह नहीं आंक पा रहा है। ऐसे में महिलाओं के हाथों में दो स्टेशनों की बागडोर पूरी तरह सौंपकर महिला सशक्तीकरण का बड़ा संदेश देने की तैयारी की गई है।

उचित पहचान दिलाने के लिए जतन

नए प्रयोग और काम को नए तरीके से करने के लिए पहचान रखने वाले डीआरएम एसके पंकज का कहना है कि महिलाएं सभी पदों पर अपना फर्ज बखूबी अंजाम दे रहीं हैं। पुरुषों का समझा जाने वाला कामकाज महिला कर्मचारियों के ठीक से संभालने के बाद रेलवे में उनको यथोचित पहचान दिलाने के लिए यह प्रयोग किया जा रहा है। दो स्टेशनों के नतीजे देखने के बाद ऐसे स्टेशनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। ट्रेन से गुजरने वाले हजारों यात्रियों को इस तरह से नारी सशक्तीकरण का संदेश आसानी से दिया जा सकेगा।

रेलवे में महिलाएं कर रहीं हैं कई अहम काम

लोको पायलट पद पर तैनात हैं कई महिलाएं

दिल्ली-मुगलसराय की ट्रेनों में टीटीई का जिम्मा

एसी कोच में कंडक्टर की जिम्मेदारी तक निभा रहीं

रेल परिचालन का महत्वपूर्ण जिम्मा भी संभाल रहीं

ट्रेन एस्कॉर्टिंग में तैनात की जा रहीं महिला जवान

बुकिंग और रिजर्वेशन में तो महिलाओं की बड़ी संख्या

कानपुर :गैस लीक होने से सवारियों से भरी बस में लगी आग, टला बड़ा हादसा

कानपुर (एजेंसी)। सरसौल रेलवे स्टेशन के पास बुधवार दोपहर सवारियों से भरी जेएनएनयूआरएम की बस में गैस पाइप लीक होने से आग लग गई। बस में अचानक आग देख सवारियां भागने लगीं। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। फिलहाल सभी सवारियां सुरक्षित हैं। नौगवां से घंटाघर आने वाली जेएनएनयूआरएम की बस बुधवार दोपहर सवारियां भरकर नौगवा से घंटाघर जा रही थी। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। तभी रास्ते में बस में गैस पाइप लीकेज होने लगा। सरसौल स्टेशन के पास तेज आवाज के साथ अचानक आग लग गई। चालक और कंडक्टर ने सूझबूझ से काम लिया और सभी सवारियों को उतार दिया। इस जल्दबाजी मे कई सवारियो का सामान बस मे छूट गया। सवारियों के उतरते ही बस आग का गोला बन गई।

'लेडी डॉन' के एसिड अटैक का शिकार बनीं स्टेट चैंम्पियन महिलाएं

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के लाल कुर्ती इलाके में पैठ बाजार के सामने बुधवार सुबह करीब छह बजे दो महिला एथलीट पर एसिड से हमला किया गया है। ये एसिड अटैक बाइक सवार युवती ने दो साथियों के साथ मिलकर एसिड से हमला किया। हमले में एक एथलीट के पीठ, जबकि दूसरी एथलीट का हाथ झुलस गया है।

वारदात अंजाम देकर तीनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। हमले के पीछे कुछ माह पूर्व दोनों महिला एथलीट और लेडी डॉन के बीच जेल गेट पर हुई बहस को कारण बताया जा रहा है। परतापुर की रहने वाली गरिमा स्पोर्ट्स स्टेडियम में बॉक्सिंग करती है, जबकि दौराला की रहने वाली शालू कुश्ती खिलाड़ी है। दोनों सुबह स्पोर्ट्स स्टेडियम के लिए निकली थीं। इसी दौरान लाल कुर्ती पेठ के पास एक युवती सोनी निवासी इंचौली ने अपने जीजा विजय और एक अन्य साथी के साथ दोनों महिला एथलीट पर एसिड फेंक दिया।

एसिड गिरने से गरिमा का हाथ

शालू की पीठ बुरी तरह झुलस गई है। हमले के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। दोनों घायल एथलीट को पुलिस और स्थानीय लोगों ने दयानंद अस्पताल में भर्ती कराया।

सूचना के बाद एसपी सिटी मान सिंह चौहान मौके पर पहुंचे। हमले के पीछे बीते दिनों तीनों युवतियों के बीच जेल के गेट पर हुई बहस को कारण बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पूर्व सोनी अपने भाई से मिलने जेल में गई थी। शालू के पिता भी जेल में थे और गरिमा के साथ शालू भी पिता से मिलने गई थी।

जेल के गेट पर ही गरिमा और शालू की किसी बात को लेकर सोनी से कहासुनी हो गई। तब दोनों महिला एथलीट ने सोनी को जमकर हड़काया था। सोनी अपने इलाके में लेडी डॉन के नाम से मशहूर है।

इसी बात का बदला लेने के लिए सोनी ने अपने जीजा विजय और एक अन्यसाथी के साथ बुधवार सुबह दोनों महिला एथलीट पर एसिड फेंक दिया। एसएसपी ने पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपियों की जल्द धरपकड़ के निर्देश दिए हैं।

विनयी जनों क्रोध कहां और निर्मल
अंत:करण में लज्जा का प्रवेश कहां? -भास

लोकपाल की नियुक्ति

काग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक में लोकपाल नियुक्त न होने की चर्चा करने का अर्थ है कि पार्टी इसे आगामी चुनाव में बड़ा मुद्दा बना सकती है। राहुल ने सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लेते हुए सवाल किया कि उन्होंने भष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए अब तक लोकपाल की नियुक्ति क्यों नहीं की? यह तो सच है कि अभी तक लोकपाल की नियुक्ति नहीं हुई है। इस समय जिस तरह पंजाब नेशनल बैंक एवं इंडियन ओरवसीज बैंक का भ्रष्टाचार सामने आया हुआ है, उसमें इसे आधार बनाकर सरकार पर हमला करना स्वाभाविक है। हालांकि इन घोटालों में अभी तक सरकार के किसी मंत्री का नाम नहीं आया है, लेकिन जब सरकार आपकी है तो सवाल आप पर उठाया जाएगा। यही राहुल कर रहे हैं। लोकपाल कानून संप्रग के शासनकाल में ही बना था। जाहिर है, अगर कानून बन गया तो उसे अमल में आना चाहिए। अगर उसमें वर्तमान सरकार को कोई कमी लगती है तो बदलाव के लिए विधेयक आना चाहिए। सरकार ने अभी तक यह नहीं कहा है कि इसमें वह कोई बदलाव चाहती है। तो फिर इसके बाद लोकपाल कानून को अमल में लाने यानी उसकी नियुक्ति का विषय ही बचता है। दरअसल, इसमें एक वैधानिक पेच है। लोकपाल के चयन में विपक्ष के नेता का प्रावधान है। इस समय लोक सभा में कोई विपक्ष का नेता नहीं है। किसी दल को इतनी सीटें नहीं मिलीं कि कोई विपक्ष का नेता बनाया जा सके। इस आधार पर अभी तक लोकपाल की नियुक्ति की मामला अटका हुआ है। हालांकि कोई दूसरी पार्टी होती तो उसका रवैया वर्तमान सरकार से अलग होता ऐसा निश्चयात्मक तौर पर नहीं कहा सकता। कारण, कोई भी दल दिल से लोकपाल के कठोर कानून के पक्ष में नहीं रहा है। ऐसा होता तो कबका यह कानून बन गया होता एवं आज वह अस्तित्व में होता। किंतु जिसकी सरकार है, उससे इस संबंध में प्रश्न पूछना तो बनता है। जाहिर है, सरकार इस मामले पर रक्षात्मक रु ख अख्तियार करती है। हमारा मानना है कि शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार के मामलों से निपटने के लिए लोकपाल जैसी संस्था का होना जरूरी है। जब कानून बन चुका है तो इसके अस्तित्व में आने के लिए कदम उठाया जाए। पार्टियां इस मामले में राजनीति करने की जगह सही सुझाव लेकर आएं कि आखिर विपक्ष के नेता के अभाव में इसकी नियुक्ति की प्रक्रिया कैसे पूरी हो? यदि इसके लिए कानून में छोटे-मोटे बदलाव की जरूरत हो उसे कर दिया जाए।

न्यूज चैनलों का रवैया

सरोकार की खबरों को लेकर मीडिया खासकर न्यूज चैनलों का रवैया कितना सतही, अतार्किक और संवेदनहीन होता है, इसकी बानगी बिहार के मुजफ्फरपुर में घटित हादसे से समझी जा सकती है। 72 घंटे पहले शनिवार को शराबबंदी वाले बिहार में शराब के नशे में धुत्त होकर एक भाजपा नेता ने 20 स्कूली बच्चों को रौंद डाला। इस दर्दनाक वारदात में घटनास्थल पर ही 9 बच्चों ने दम तोड़ दिया वहीं बाकी बच्चे मौत से लड़ाई लड़ रहे हैं। बताया गया कि इस खूनी वाहन में खुद भाजपा नेता भी मौजूद था जो हादसे के बाद लड़खड़ाते हुए फरार हो गया। दुख की बात है कि शुरुआती वक्त में भाजपा आलाकमान ने उसके पार्टी में होने से ही इनकार कर दिया। लेकिन शीर्ष नेता का साथ उसकी तस्वीर सार्वजनिक होने के बाद भाजपा बैकफुट पर आ गई और उसे छह साल के लिए निलंबित कर दिया। दूसरे शब्दों में हत्यारे नेता को बर्खास्त करने या गिरफ्तार करने में सुशासन सरकार' अभी भी बेहद लिजलिजा तर्क दे रख रखी है। उस अमानवीय शख्स को सजा दिलाने के लिए उसका तत्काल गिरफ्तार होना निहायत जरूरी था। इस वारदात के ठीक एक दिन बाद रविवार को सिने तारिका श्रीदेवी की मौत की खबर ने एकबारगी टीरआरपी की भूखी मीडिया का असली चरित्र उजागर कर दिया। उस एक सितारा की आकस्मिक मौत की खबर ने चेहराविहीन नौ बच्चों की अकारण मौत की खबर को बियाबान में ले जाकर पटक दिया। खबरों का सरोकार क्या होना चाहिए, इसे झटके में देश की मीडिया ने देशवासियों को बतला दिया। नौ बच्चों की ''हत्या' वाली खबर दोयम दरजे की होकर रह गई। 24 गुना सात नैतिकता, ईमानदारी, सरोकार और मर्यादा की बात करने वाले 24 घंटे वाले खबरिया चैनलों के लिए उन मासूमों की मौत संक्षेप में निपटा देने वाली खबर से ज्यादा कुछ भी नहीं रही। देश में गाहे-बगाहे न्यूज चैनलों के लिए आचार संहिता बनाने और उसके लिए एक नियामक संस्था बनाने की बात होती रहती है। ऐसे में हमें यह संजीदगी से सोचना होगा कि खबर वास्तव में है क्या? शराबबंदी वाले राज्य बिहार में अगर सत्तासीन पार्टी का नेता ही नशे में धुत्त होकर तांडव मचाने लगे तो न्याय किसे और किस रूप में मिलेगी, इसकी कल्पना ही की जा सकती है।

सत्संग

फुटबॉल खिलाड़ी

समय पहले की बात है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड के फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो व उनका कोई एक साथी आपस में मिलकर अपने पैरों व बॉल के कुछ बेहतरीन करतब दिखा रहे थे। बॉल के साथ वे जो कुछ भी कर रहे थे, वो अपने आप में अद्भुत था। बिना किसी खेल या मैच के वे दोनों आपस में मिलकर अपना जो कौशल दिखा रहे थे, वो जादू सरीखा था। अपने पैरों से जो वे बॉल के साथ कर रहे थे, वह अपने आप में अविश्सनीय था, बॉल पर उनका कंट्रोल देखने लायक था। तो बुनियादी रूप से मेरे लिए खेल का मतलब अपने शरीर और दिमाग को पैने तरीके से चलाना है। अगर आप फ्रिस्बी को सही तरीके से फेंकना चाहते हैं तो इसमें भी बहुत सारा विज्ञान लगता है। अचानक कभी इसे किसी भी तरीके से फेंक देना अलग बात है, लेकिन हर बार इसे अपने मनचाहे तरीके से फेंकने के लिए काफी चीजें मायने रखती हैं। यही वो चीज थी, जिसकी वजह से मेरा गोल्फ के साथ लगाव शुरू हुआ, इसमें भी बहुत सारी चीजें शामिल होती हैं। दूसरे खेलों में मसलन क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल अथवा टेनिस में बॉल आपके पास इतने अलग-अलग कोणों, दिशाओं, गति, व घुमावों से आती है कि खेल के दौरान आपको इन सभी चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। वहीं गोल्फमें बॉल चुपचाप बैठकर आपके हिट का इंतजार करती है, लेकिन फिर भी आप उसे सही जगह नहीं मार पाते। उस छोटी सी बॉल को सही जगह मारने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है, उसमें शरीर व मन का जबरदस्त जुड़ाव चाहिए होता है। इसे खेलते समय मुझे अपने शरीर व मन का बहुत बारीकी और फुर्ती से इस्तेमाल करना होता है। फुटबॉल को ही ले लीजिए, 22 लोग खेलते हैं और दुनिया में लगभग चार अरब लोग इसे देखकर रोमांचित होते हैं। क्या दुनिया में कोई और चीज इतने लोगों को एक साथ इस तरह से रोमांचित कर सकती है? मनोरंजन के दूसरे साधनों, मसलन किसी फिल्म को ही लीजिए, क्या वह इतने लोगों को एक साथ रोमांचित कर सकती है? हालांकि फिल्मों में लोग हर तरह से उत्तेजना पैदा करने करने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे कि उसमें कामुकता या दूसरे मसाले डालते हैं। दरअसल, किसी चीज से जुड़ने या उसमें पूरी तरह से डूबने में ही जीवन है।

''एक चालिकानुवर्तित्व के सिद्धांत'

''एक ही संगठन सारे दायित्वों के निर्वाह के लिए काफी है। समूचे (भारतीय) समाज को संघ में शामिल होना होगा। इसके अलावा दूसरा कोई चारा नहीं है।' भागवत की इस घोषणा को पूरे संदर्भ में समझने के लिए जरूरी है कि थोड़ा सा संघ के इतिहास के प्रारंभिक पन्नों पर एक नजर डाल ली जाए। इससे पता चलेगा कि भागवत कैसे अपनी इस घोषणा से संघ के ''एक चालिकानुवर्तित्व के सिद्धांत' को ''राज्य के संचालन का सिद्धांत' बनाने की घोषणा कर रहे हैं और उस सिद्धांत का वास्तविक अर्थ क्या है? संघ के प्रमुख सिद्धांतकार रहे हैं-माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर।

सतीश पेडणोकर

1942 के जनवरी में, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान हिटलर ने एक अंतिम समाधान की घोषणा की थी-सारे यहूदियों का सफाया कर दो। इसके बाद ही होलोकॉस्ट संगठित किया गया और लाखों यहूदियों को गैस चैंबरों में डाल कर मार डाला गया, यूरोप के नब्बे प्रतिशत यहूदियों का सफाया कर दिया गया। 25 फरवरी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी मेरठ में अपने एक लाख स्वयंसेवकों के राष्ट्रीय समागम में भारत के लिए एक अंतिम समाधान का ऐलान किया है । इसमें उन्होंने कहा है कि भारत के सब लोगों के लिए अब संघ में शामिल हो जाने के अलावा कोई चारा नहीं है। ''एक ही संगठन सारे दायित्वों के निर्वाह के लिए काफी है। समूचे (भारतीय) समाज को संघ में शामिल होना होगा। इसके अलावा दूसरा कोई चारा नहीं है।' भागवत की इस घोषणा को पूरे संदर्भ में समझने के लिए जरूरी है कि थोड़ा सा संघ के इतिहास के प्रारंभिक पन्नों पर एक नजर डाल ली जाए। इससे पता चलेगा कि भागवत कैसे अपनी इस घोषणा से संघ के ''एक चालिकानुवर्तित्व के सिद्धांत' को ''राज्य के संचालन का सिद्धांत' बनाने की घोषणा कर रहे हैं और उस सिद्धांत का वास्तविक अर्थ क्या है? संघ के प्रमुख सिद्धांतकार रहे हैं-माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर। उन्होंने ही संघ की विचारधारा और उसके सांगठिनक सिद्धांतों को परिभाषित करने का काम किया था। हेडगेवार की मृत्यु के वक्त गोलवलकर संघ के सरकार्यवाहक (महासचिव) थे। हेडगेवार ने उनकी मदद से ही संघ को महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में फैलाने का काम शुरू किया। इसीलिए गोलवलकर के विचारों को संघ की मूलभूत विचारधारा माना जा सकता है। गोलवलकर ने 1939 में अपनी, पहली शायद एकमात्र, किताब लिखी: ''वी आर आवर नेशनहुड डिफाइण्ड'। बाद में ''बंच ऑफ थाट्स' के नाम से उनके भाषणों आदि का एक संकलन और 6 खण्डों में ''श्री गुरु जी समग्र दर्शन' भी प्रकाशित हुए हैं। उनकी अन्य पुस्तकें दूसरे लोगों ने बिखरी हुई सामग्री को संकलित करके तैयार की। मजे की बात है कि संघ ही उनकी इस इकलौती किताब को अभी प्रकाशित नहीं करता है। एक समय था, जब संघियों के लिए गोलवलकर की ''वी आर आवर नेशनहुड डिफाइन्ड', गीता के समान थी। अमेरिकी शोधार्थी कुर्रान ने इस किताब को संघ के सिद्धांतों की मूल पुस्तक बताते हुए लिखा था कि ''इसे संघ की बाइबिल' कहा जा सकता है। 1939 में जब यह पुस्तक लिखी गई, दुनिया में नाजियों और फासीवादियों के बढ़ावे के दिन थे। बहुतों को यह भ्रम था कि आने वाले दिनों में दुनिया पर उन्हीं (फासीवादियों) के विचारों की तूती बोलेगी। गोलवलकर और हेडगेवार भी उन्हीं लोगों में शामिल थे। गोलवलकर ने इसी विास के बल पर संघ के विचारों के सारी दुनिया में नगाड़े बजने की बात कही थी। गोलवलकर के संघी जीवनीकार सहस्त्रबुद्धे ने गोलवलकर की बात को उद्धृत किया है कि ''लिख लो, आज साम्यवाद, समाजवाद आदि के नगाड़े बज रहे हैं। परन्तु संघवाद के सम्मुख ये सब निष्प्रभ सिद्ध होंगे।' गोलवलकर ने अपनी इस किताब में मनमाने ढंग से ''राष्ट्र' की परिभाषा करते हुए अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता की स्थापना के लिए ''ईर्ष्यापूर्ण' कार्रवाइयों, धर्म और दूसरी भाषाओं पर अपनी भाषा को लादने के बारे में इंग्लैंड के उदाहरण से राष्ट्रीयता संबंधी अपनी अवधारणा के मूल तत्त्वों को गिनाते हुए लिखा था कि इस प्रकार की जोर-जबर्दस्ती ही सच्ची राष्ट्रीयता के लक्षण हैं। जर्मनी के बारे में गोलवलकर ने लिखा: ''आज दुनिया की नजरों में सबसे ज्यादा जो दूसरा राष्ट्र है वह है जर्मनी। आधुनिक जर्मनी कर्मरत है और वह जिस उद्देश्य में लगा हुआ है उसे काफी हद तक उसने हासिल भी कर लिया है। पुरखों के समय से जो भी जर्मनों का था, लेकिन जिसे राजनीतिक विवादों के कारण अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग देशों के रूप में बांट दिया गया था, उसे फिर उन्होंने अपने अधीन कर लिया है। उदाहरण के लिए आस्ट्रिया सिर्फ एक प्रांत भर था, जैसे प्रुशिया, बवारिया और अन्य कई प्रान्त हैं, जिन्हें मिलाकर जर्मन साम्राज्य बना था। तर्क के अनुसार आस्ट्रिया एक स्वतंत्र देश नहीं होना चाहिए था, बल्कि उसे बाकी जर्मनी के साथ ही होना चाहिए था। पितृभूमि के प्रति जर्मन गर्वबोध, जिसके प्रति उस जाति का परम्परागत लगाव रहा है, सच्ची राष्ट्रीयता का जरूरी तत्त्व है। आज वह राष्ट्रीयता जाग उठी है और उसने नये सिरे से विश्व युद्ध छेड़ने का जोखिम उठाते हुए अपने ''पुरखों के क्षेत्र' पर एकजुट, अतुलनीय, विवादहीन, जर्मन साम्राज्य की स्थापना की ठान ली है। जर्मनी की यह स्वाभाविक तार्किक आकांक्षा अब प्राय: परिपूर्ण हो गई है और एक बार फिर वर्तमान काल में राष्ट्रीयता में ''देशवाले पहलू' का अतीव महत्त्व प्रमाणित हो गया है।' जातीयता के मामले में संघियों का साफ कहना है हिन्दुस्तान में राष्ट्र का अर्थ ही हिन्दू है। गैर-हिन्दू तबकों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। ''मूलगामी विभेदवाली संस्कृतियों और जातियों का मेल हो ही नहीं सकता' के हिटलरी फार्मूले को वे भारत पर हु-ब-हू लागू करते हैं। उनकी यह साफ राय है कि गैर-हिन्दू भारत में रह सकते हैं, लेकिन वे सीमित समय तक और बिना किसी नागरिक अधिकार के रहेंगे। जर्मनी की नाजी पार्टी ने जर्मन श्रेष्ठता के अपने सिद्धांतों के प्रचार के जरिए एक ऐसी अवधारणा विकसित की थी कि सच्चा जर्मन वह है जो नाजी पार्टी का सदस्य है और सच्चा नाजी वह है जो यहूदियों से नफरत करता है। भारत में मुस्लिम लीग वालों ने भी यही पद्धति अपनाई थी कि वही व्यक्ति सच्चा मुसलमान है जो मुस्लिम लीगी है और सच्चा मुस्लिम लीगी वह है जो हिन्दुओं से नफरत करता है। नाजियों और मुस्लिम लीगियों के पदचिह्नों पर चलते हुए संघ भी शुरू से यही रटता रहा है कि वही व्यक्ति सच्चा हिन्दू है, जो संघ का सदस्य है और वही सच्चा संघी है जो मुसलमानों से नफरत करता है। संघ के लोग जिसे ''सच्चा राष्ट्रवाद' बताते हैं, उसकी प्रेरणा के सोतों को हमने ऊपर देखा है। भागवत की इस उद्घोषणा में भी जो फासीवाद नहीं, बल्कि किसी प्रकार का प्रच्छन्न जनतंत्र देखते हैं और उम्मीद करते हैं कि ये दिखावे की बाते हैं, उनसे हमें कुछ नहीं कहना है। वे अपनी उम्मीदों पर टिके रहें! हम तो उन्हें फासीवाद के सहयोगी की भूमिका में पाते हैं!

चलते चलते

''कलावार्ता'

जब गुरु सोनल मानिसंह और सुनील कोठारी जी ने उसके भरतनाट्यम की प्रशंसा की तो गर्व हुआ। चचा, अपना एक अनुभव बताता हूं। नृत्य से पहले मैं और गीता चंद्रन ''कलावार्ता' के एक सत्र में शामिल हुए। बीज-वक्तव्य राष्ट्रीय सहारा के कला-मर्मज्ञ सुमन सिंह का था। उन्होंने लोककला और अमूर्तन की शास्त्रीय कला की व्या.ख्या करते हुए चित्रकार वैसिली कैंडिंस्की का एक किस्सा सुनाया।

कैसौ रह्यौ स्नेहा बिटिया कौ नृत्य?-शास्त्रीय बारीकियां तो जानैं उसकी गुरु गीता चंद्रन, मुझे तो तीस साल से पसंद है। हां, जब गुरु सोनल मानिसंह और सुनील कोठारी जी ने उसके भरतनाट्यम की प्रशंसा की तो गर्व हुआ। चचा, अपना एक अनुभव बताता हूं। नृत्य से पहले मैं और गीता चंद्रन ''कलावार्ता' के एक सत्र में शामिल हुए। बीज-वक्तव्य राष्ट्रीय सहारा के कला-मर्मज्ञ सुमन सिंह का था। उन्होंने लोककला और अमूर्तन की शास्त्रीय कला की व्या.ख्या करते हुए चित्रकार वैसिली कैंडिंस्की का एक किस्सा सुनाया। वैसिली जब सुबह शयन-कक्ष से गलियारे में आए तो देखा कि वहां उनकी पेंटिंग की जगह किसी और की पेंटिंग लगी है। चित्र अच्छा है, पर किसने बदला? बाद में याद आया कि उन्होंने ही पेंटिंग उल्टी लटका दी थी। देखिए, इतने भर से सौंदर्य और अर्थवत्ता सब कुछ बदल गए। रचनाकार भी रचना नहीं पहचान पाया। फिर तो मैं वहां की सारी तस्वीरों को कल्पना में उलट-उलट कर देखने लगा।-अर्थ बदले?-बदल गए चचा! एक चित्र में पीली कमलिनी खिली हुई थीं, उल्टा सोचते ही कमलिनी अधोमुखी हो गई। मुझे ताजमहल का गाइड याद आया। उसने बताया था कि यहां कोई भी फूल, ऊपर को सिर नहीं उठा सकता। शहंशाह के आगे झुककर कोर्निश बजानी है। दूसरा चित्र था, एक आदमी दो हथेलियों के बल उदास झुका हुआ बैठा है। उल्टा किया तो लगा जैसे वह आसमान को अपने हाथों और पैरों पर उठाए है। उदासीपरक क्षअमता आशा और क्षमता में बदल गई। एक चित्र था, जिसमें अकालग्रस्त सूखे पेड़ की शाखाओं के बीच एक मृतप्राय जिराफ़की गर्दन टंगी हुई है। इसे अकालात्मक कलात्मकता कह लीजिए। उसे उल्टा किया तो सारी सूखी शाखाएं जड़ बन गई और उल्टा जिराफ़ पेड़ पर लगे सघन फूलों में बदल गया। दृष्टि का अंतर है, कला विपरीतार्थक भी हो सकती है।-तू अमूर्त कला की बात करै। हमनैं देखी एक किताब। टाइटिल सीधौ देखौ तौ अकबर, उल्टौ करौ तौ बीरबल। अब बोल लोकप्रिय और सास्त्रीय! कला तौ कला ऐ रे! मन कूं भानी चइऐ।

फोटोग्राफी...

यह फोटो शिकागो में बहने वाली 'शिकागो नदी' का है, जिसमें कई सारे लिफ्ट ब्रिज बने हैं। 19वीं सदी में नदी के माध्यम से शहर में नहरों का नेटवर्क तैयार कि या गया है। जब ऊंची इमारतें तैयार होने लगीं तो नदी का दृश्य उनके बीच सिमट गया। 251 वर्ग कि लोमीटर क्षेत्र में फैले नदी व नहरों के इस नेटवर्क में ग्रेट लेक और मिसीसिपी वैली से भी पानी आता है, जिससे यहां का पानी बिल्कुल साफ नजर आता है। फोटोग्राफर जिम हूपर ने बताया कि यहां लिफ्ट ब्रिज बनाने की शुरुआत 19वीं सदी के अंत में हुई थी। 1922 तक यहां 47 लिफ्ट ब्रिज और 30 फिक्स स्पा न ब्रिज बन चुके थे। ऐसा इसलि ए ताकि नहरों में लोग नौकायन कर सकें। कई बार यहां छोटे जहाज भी गुजरते हैं। जिम हूपर ने कहा कि उन्होंने 25 वर्ष तक बोस्टन में रियल एस्टेट क्षेत्र में काम किया, लेकिन फिर फोटोग्राफी के आकर्षण ने उनके जीवन की राह बदल दी। यही कारण है कि उन्होंने शिकागो का वह दृश्य दिखाया, जो रियल एस्टेट के अनुसार काफी महंगा परन्तु खूबसूरत है। imgur.com

''पार्लियामेंट और पार्लियामेंटिरयन

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ जो पहले ऋद्रत्द्धड्ड संसदीय संघ के नाम से जाना जाता था, उसकी स्थापना 1911 में हुई थी। सन 1948 में संघ से बदलकर इसका नाम राष्ट्रमंडल संसदीय संघ रखा गया। संघ का उद्देश्य है कि प्रजातंत्र, सुशासन और मानवाधिकार की सफलता के लिए तत्पर रहें। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का छठा सम्मेलन पटना में संपन्न हुआ। यह सम्मेलन बिहार में पहली बार हो रहा था, जिसमें 100 से भी ज्यादा राष्ट्रमंडल के पार्लियामेंटेरियन्स ने अपना योगदान दिया। छठे सम्मेलन का मूल विषय था। ''पार्लियामेंट और पार्लियामेंटिरयन की भूमिका सतत विकास के लक्ष्यों को पाने में'। राष्ट्रीय संसदीय संघ 2030 के यूनाइटेड नेशन सस्टेनेबल डेवलपमेंट के घोषणापत्र के मूल्यों को प्राप्त करने में मदद कर रही है। इस योजना को पाने के लिए विभिन्न संसदों में कानून बनाया जा रहा है और उसके लिए बजट का प्रावधान किया जा रहा है । सस्टेनेबल डेवलपमेंट के मूल लक्ष्य जैसे कि गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, रोगों का उन्मूलन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। इन लक्ष्यों को पाने के लिए पार्लियामेंटिरयन अपनी जिम्मेदारी समझ सकें, इसके लिए राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ सम्मेलन का आयोजन करता है। पार्लियामेंटेरियन समाज और राज्य के संस्थाओं के बीच में तारतम्य बनाता है और मजबूती से जनता की मांगों पर कानून की रूपरेखा बनाता है ताकि समाज के वंचित वगरे को उनका अधिकार मिल सके। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ प्रतिनिधियों को सतत विकास के लक्ष्यों को पाने के लिए और राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के उद्देश्यों को कार्यान्वित करने का मौका देता है। इंडिया रीजन के छठे राष्ट्रमंडल संसदीय संघ ने अहम मुद्दे रेखांकित किए हैं, जैसे कि- सतत विकास के लक्ष्यों को समय सीमा में प्राप्त करना, सभी व्यक्ति तक कानून कार्यक्रम की पहुंच, भ्रष्टाचार पर रोक, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप न करें और संयम के साथ काम करें। इस सम्मेलन के शुरू में ही राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के इतिहास में काला अध्याय भी जुड़ गया, जब उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने चार पूर्व मुख्यमंत्रियों और उनके विधायकों की विश्वसनीयता का जिक्र किया। बिहार के मान-सम्मान को अपने लोगों ने ही कमतर किया। राष्ट्रीय संसदीय संघ का सम्मेलन बिहार में जिस उद्देश्य के कारण किया गया था, उसमें यह असफल रहा। विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे के साथ रहकर भी स्वतंत्र हैं, इस ज्ञान से विधायिक बिहार का भला कर सकते थे। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ वो सुनहरा मौका था, जहां बिहार अपनी पुरानी विरासत और नम्र शक्ति का परिचय देता। बिहार में अनेक संभावनाएं हैं। उसमें से एक पर्यटन का क्षेत्र है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सदस्यों को पर्यटन के जरिये रोजगार की सम्भावनाओं के बारे में अहम पहल हो सकती थी। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ अपने 107 वर्ष पूरे कर चुका है और विकास, सुशासन और राष्ट्रमंडल के मान को चिह्नित करता है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सदस्य एक दूसरे से मिलकर प्रजातंत्र के मूल्य सीखते हैं, जिससे उनको कानून बनाते समय मदद मिलती है। बिहार में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का सफलतापूर्वक समापन हुआ, जहां विधायिका और न्यायपालिका के संबंधों पर विशेष विमर्श में लोकतंत्र के सभी स्तंभों से संयम के साथ काम करने और अपनी सीमा में रहने की अपील की गई। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से बिहार की संस्थाओं को सुशासन के नये आयाम सीखने को मिले। साथ ही सरकार को ज्यादा-से-ज्यादा समाज के वंचित लोगों के प्रति सजग होने का मौका भी मिला।

विश्व इंडोर चैंपियनशिप: भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे सिद्धांत थिंगाल्या

मुंबई। ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ी सिद्धांत थिंगाल्या शुक्रवार से बर्मिंघम में शुरू हो रही विश्व इंडोर चैंपियनशिप 2018 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 27 साल के थिंगाल्या 60 मीटर और 110 मीटर बाधा दौड़ के विशेषज्ञ हैं और फिलहाल कैलीफोर्निया में ट्रेनिंग कर रहे हैं। थिंगाल्या का 60 मीटर इंडोर बाधा दौड़ और 110 मीटर इंडोर बाधा दौड़ दोनों में राष्ट्रीय रिकार्ड है। उन्होंने पिछले साल जनवरी में सिएटल में यूडब्ल्यू प्रिव्यु मीट में 60 मीटर दौड़ 7 .70 सेकेंड में जबकि जून 2017 में अमेरिका में आल्टिस आमंत्रण मीट में 110 मीटर स्पर्धा 13 .48 सेकेंड में पूरी की थी।

डोप परीक्षण में विफल रहे इस भारतीय खिलाड़ी पर लग सकता है चार साल का प्रतिबंधे

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी देविंदर सिंह कांग को पिछले हफ्ते प्रतियोगिता के इतर परीक्षण में स्टेरायड के लिए पॉजीटिव पाए जाने पर विश्व एथलेटिक्स की संचालन संस्था ने अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया है। कांग का डोप नमूना पिछले साल से काम शुरू करने वाली आईएएएफ की नई डोपिंग रोधी संस्था एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने चार दिन पहले पटियाला में लिया था। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी के नमूने में प्रतिबंधित स्टेरायड मिला है और कांग पर अब चार साल के प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। अगर ऐसा होता है तो उनका कॅरियर लगभग खत्म हो जाएगा। एआईयू अधिकारियों ने कांग का परीक्षण उनके द्वारा वाडा संहिता के 'रहने के स्थान' संबंधी नियम के तहत मुहैया कराए समय पर किया था, क्योंकि वह उन पांच भारतीय एथलीटों में शामिल हैं जिन्हें आईएएएफ के पंजीकृत परीक्षण पूल में रखा गया है। आईएएएफ ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ को मंगलवार को ही कांग के डोप में विफल रहने की सूचना दे दी थी और उनका नाम तुरंत ही एनआईएस पटियाला में हुई भारतीय ग्रां प्री की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा के शुरुआती लाइन अप से हटा दिया गया। एएफआई के एक अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि खिलाड़ी ने अपने रहने के स्थान संबंधी जानकारी में उस दिन (चार दिन पहले) सुबह 10 से 11 बजे का समय दिया था। एआईयू के लोग पटियाला आए और नमूने लिए और इसमें प्रतिबंधित स्टेरायड पाया गया है। उसे अस्थाई रूप से निलंबित किया गया है। पिछले साल पंजाब के इस एथलीट को गांजा के लिए पॉजीटिव पाया गया था जिसके अंश उनके मूत्र नमूने में मिले थे। यह नमूना राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के अधिकारियों ने 15 मई को यहां हुई इंडियन ग्रां प्री के दौरान लिया था।

विश्वनाथन आनंद बने फिनकेयर एसएफबी के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक (फिनकेयर एसएफबी) ने महानगरों और बड़े शहरों के के डिजिटली दक्ष लोगों पर ध्यान केन्द्रित करते हुये 101 डिजिटल बचत खाता शुरू करने के साथ ही ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि आनंद को ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने के मौके पर उसके अध्यक्ष प्रमोद काबरा और प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव यादव की उपस्थिति में आनंद ने 101 को लॉच किया है। काबरा ने कहा कि 101 उत्पाद उपभोक्ताओं को 5 मिनट से भी कम समय में आधार और पैन के साथ ऑनलाइन बचत खाता खोलने की सेवा प्रदान करता है। फिनकेयर अपने ग्राहकों को जब भी चाहें, जहां से चाहें बैंक सुविधा प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

भारतीय निशानेबाजों का दल पहुंचा मैक्सिको

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजों का 10 सदस्यीय दल साल के पहले आईएसएसएफ विश्कप निशानेबाजी में हिस्सा लेने के लिए मैक्सिको पहुंच गया। भारतीय निशानेबाजों के साथ चार अधिकारी भी मैक्सिको दौरे पर गए हैं। ये निशानेबाज मैक्सिको के गुआडालाजरा में एक से 12 मार्च तक होने वाले टूर्नामेंट में राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धा में भाग लेंगे। टूर्नामेंट में कुल 15 पदक दाव पर होंगे और इनमें तीन मिश्रित टीम स्पर्धा भी हैं। पहले बैच में जो निशानेबाज मैक्सिको पहुंचे हैं उनमें ट्रैप निशानेबाज मानवजीत सिंह संधू, कीनन चेनाई, जोरावर सिंह संधू, श्रेयस सिंह, शगुन चैधरी और सीमा तोमर, राइफल और पिस्टल स्पर्धा में अनु राज सिंह, तेजस्विनी सावंत, अंजुम मुद्गिल और एन गायत्री हैं। निशानेबाजों का दूसरा 33 सदस्यीय दल मंगलवार रात को जबकि तीसरा दल तीन मार्च को रवाना होगा। भारतीय निशानेबाज इस साल अप्रैल में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और अगस्त में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी कर रहे हैं। भारत की नजरें अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप पर भी रहेंगी जो 2020 के टोक्यो ओलंपिक के लिए पहला कोटा टूर्नामेंट होगा।

लॉरियस अवॉर्ड्स: फेडरर ने जीता रिकॉर्ड छठा पुरस्कार

मोनाको (एजेंसी)।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को बुधवार को प्रिंस एल्बर्ट और प्रिंसेस चार्लीन की मौजूदगी में पांचवां और छठा लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्टस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पुरुष टेनिस में आयकन बन चुके फेडरर ने लॉरियस अवॉर्डर्स के इतिहास में सबसे अधिक छह बार पुरस्कार जीते हैं।

इन पुरस्कारों को ग्रहण करने के बाद फेडरर ने कहा कि मेरे लिए यह बेहद खास पल है। लोग जानते हैं कि मैं अपने लॉरियस अवॉर्डर्स को कितनी अहमियत देता हूं, इसलिए एक और पुरस्कार जीतना शानदार अनुभव है, लेकिन एक साथ दो जीतना सचमुच बिल्कुल अलग सम्मान है। मेरे लिए पूरी तरह अनापेक्षित है। मैं खुश हूं और लॉरियस अकादमी को इस समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन फेडरर ने कहा कि यह मेरे लिए अविस्मरणीय साल था। 2016 के बाद वापसी करना बहुत मुश्किल था और ये पुरस्कार वापसी के मेरे प्रयास को यादगार बनाते हैं। जब मैंने 2005 में अपना पहला लॉरियस पुरस्कार जीता था तब अगर आपने कहा होता कि मैं छह लॉरियस पुरस्कार जीत लूंगा तो मैं आप पर विश्वास नहीं करता।

इन खिलाडियों से मिली टक्कर

स्पोर्टसमैन ऑफ द ईयर कटेगरी में फेडरर को स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल और पुर्तगाली फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो से कड़ी टक्कर मिली। ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन जीतने वाले फेडरर को घुटने की गंभीर चोट से उबरकर असाधारण सफलता हासिल करने के लिए कमबैक ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी दिया गया।

सेरेना विलियम्स को मिला यह पुरस्कार

अमेरिकी दिग्गज सेरेना विलियम्स को स्पोर्टसवुमन ऑफ द ईयर पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में अपना 23वां ग्रैंडस्लेम खिताब जीतने के लिए दिया गया। सेरेना ने 2017 में ही अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। वह पांच पुरस्कारों के साथ लॉरियस पुरस्कारों के इतिहास की सबसे सफल महिला एथलीट बन गई हैं।

स्पेनिश गोल्फर सर्गियो गार्सिया ने 18 साल की उम्र में साल 2000 में लॉरियस न्यूकमर पुरस्कार जीता था और अब वह इस साल ब्रेकथ्रू ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने में सफल रहे। सर्गियो को यह पुरस्कार 2017 मास्टर्स जीतने पर दिया गया। उन्होंने अपने 74 वें प्रयास में पहली मेजर चैम्पियनशिप जीती है।

मर्सिडीज एएमजी पेट्रोनास को मिला यह पुरस्कार

रियाल मैड्रिड और गोल्डन स्टेट वारियर्स जैसी दिग्गज टीमों को हराकर मर्सिडीज एएमजी पेट्रोनास ने इस बार टीम आफ द ईयर का पुरस्कार जीता। इस टीम को एफ-1 में अपना वर्चस्व जारी रखते हुए लगातार चौथे साल कन्स्ट्रक्टर्स वर्ल्ड चैम्पियनशिप

जीतने पर यह पुरस्कार दिया गया।

इस आधार पर दिया जाता है लॉरियस अवॉर्ड्स

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्टर्स अकादमी द्वारा दिया जाने वाला यह सालाना खेल पुरस्कार है। खेलों की महान हस्तियां इसके लिए वोटिंग करती हैं और यह एक कैलेंडर वर्ष की उपलब्धियों के लिए यह पुरस्कार दिए जाते हैं। इस साल यह 2017 केलेंडर वर्ष में खिलाडियों की सफलता के लिए दिया गया। इस साल हॉलीवुड सुपरस्टार बेनेडिक्ट कम्बरबैच ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की और मशहूर गायिका और गीतकार एमिली सैंडे ने इस कार्यक्रम के दौरान परफार्म किया।

स्टोक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड ने रोका न्यूजीलैंड का विजयी रथ

माउंट मानगनुई (एजेंसी)।

लगभग पांच महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे मैन ऑफ द मैच ऑलराउंडर बेन स्टोक्स (42 रन पर दो विकेट और नाबाद 63 रन) के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को बुधवार को दूसरे एकदिवसीय मैच में छह विकेट से हराकर पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली।

न्यूजीलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 223 रन बनाया जिसे इंग्लैंड ने 37.5 ओवर में चार विकेट पर 225 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने वनडे में अपने घर में लगातार नौ मैचों से अपराजित चल रहे न्यूजीलैंड के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

स्टोक्स ने 74 गेंदों पर नाबाद 63 रन में सात चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान इयोन मोर्गन ने 63 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 62 रन की पारी खेली। जॉनी बेयरस्टो ने 39 गेंदों पर 37 रन में पांच चौके और एक छक्का उड़ाया। इसके अलावा विकेटकीपर जोस बटलर ने 20 गेंदों नाबाद 36 रन की तूफानी पारी में दो चौके और तीन छक्के ठोके। बटलर ने सेंटनर की गेंद पर छक्का मारकर टीम को जीत दिला दी। स्टोक्स ने मोर्गन के साथ चौथे विकेट

के लिए 88 और बटलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 51 रन की अविजित साझेदारी कर इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 46 रन पर दो विकेट और लॉकी फर्गुसन ने 48 रन एक विकेट और कोलिन मुनरो ने 23 रन पर एक विकेट हासिल किया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 223 रन का स्कोर बनाया। ओपनर मार्टिन गुप्टिल ने 87 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 50 और आठवें नंबर के बल्लेबाज मिशेल सेंटनर ने 52 गेंदों पर छह चौकों और उक छक्के की बदौलत 63 रन की नाबाद पारी खेली। कोलिन डी ग्रैंडहोम ने 40 गेंदों पर 38 रन में चार चौके और एक छक्का लगाया। विकेटकीपर टॉम लाथम ने 22 और लाकी फर्गुसन ने 19 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिए मोइन अली ने 33 रन पर दो विकेट, स्टोक्स ने 42 रन पर दो विकेट और क्रिस वोक्स ने 42 रन पर दो विकेट हासिल किए।

अब और मजेदार होगा आईपीएल 2018, इस सीजन में चलेगा यह नया नियम!

नई दिल्ली(एजेंसी)।

अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी डिसीजन टू रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) लागू होने की तैयार हो गई है. बीसीसीआई ने आईपीएल 2018 में डीआरएस को लागू करने के लिए हरी झंडी दे दी है. पहले साल तक बीसीसीआई इसके लिए तैयार नहीं हो रहा था. बोर्ड इस जिद पर अड़ा हुआ था कि यह रेफरल सिस्टम पूरी तरह फूलप्रूफ नहीं है. दुनिया के अधिकांश क्रिकेट खेलने वाले देशों में जब यह सिस्टम लागू हो चुका था तब भी भारत के साथ होने वाले मैचों में इसे लागू नहीं किया गया था, लेकिन 2016 में जब इंग्लैंड ने भारत का दौरा किया तो बोर्ड ने डीआरएस की इजाजत दे दी और अब यही टेक्नोलॉजी आईपीएल के 11वें संस्करण में भी लागू होने जा रही है.

इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर के मुताबिक, बीसीसीआई के एक आधिकारिक सूत्र के अनुसार हम काफी समय से डीआरएस लागू करना चाहते थे, लेकिन हमने इस साल यह फैसला किया कि आईपीएल में भी डीआरएस लागू हो. हमारे पास दूसरी तमाम टेक्नोलॉजी मौजूद हैं तो डीआरएस क्यों न हो. हम अंतरराष्ट्रीय मैचों में इसका इस्तेमाल कर रहे हैं तो आईपीएल में भी किया जाना चाहिए.

बता दें कि बोर्ड ने दिसंबर में 10 घरेलू अंपायरों का चुनाव किया था जो देश में खेली जा रही प्रतियोगिताओं में डीआरएस पर नजर रख सकें. ये अंपायर आईपीएल के मद्देनजर ही चुने गए थे. ये दस अंपायर आईपीएल मं अंपायरिंग करते नजर आएंगे.

हालांकि, भारत के घरेलू टूर्नामेंट में डीआरएस का प्रयोग नहीं किया जाता है. एक डोमेस्टिक अंपयार ने बताया, आईपीएल में लोकल अंपयार होते हैं, इसलिए बोर्ड ने हमें डीआरएस सिस्टम को बेहतर ढंग से समझने के लिए आमंत्रित किया था. हमें बताया गया था कि बोर्ड इस बार के आईपीएल में डीआरएस लागू करने जा रहा है. पाकिस्तान सुपर लीग के बाद आईपीएल दूसरी बड़ी टी-20 लीग होगी, जिसमें डीआरएस लागू है.

7 अप्रैल से होगा आईपीएल 2018 का आगाज

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 11वें संस्करण का उद्घाटन मुकाबला सात अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस और दो बार के चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा. बीसीसीआई के मुताबिक दुनिया की सबसे संपन्न और सफल लीग के मुकाबले 27 मई तक 51 दिनों तक नौ आयोजन स्थलों पर खेले जाएंगे. स्पॉट फिक्सिंग के कारण दो साल का प्रतिबंध झेलकर वापसी कर रही राजस्थन रॉयल्स और सुपर किंग्स टीमों के प्रशंसकों के लिए खुशी की खबर यह है कि इन दोनों फ्रेंचाइजी टीमों के मैच क्रमशः एमए चिदम्बरम स्टेडियम (चेन्नई) और सवाई मानसिंह स्टेडियम (जयपुर) में खेले जाएंगे.

किंग्स इलेवन पंजाब अपने तीन घरेलू मैच इंदौर और चार मैच मोहाली में खेलेगा.आगामी लीग में 12 मैच ऐसे हैं, जो चार बजे शाम से खेले जाएंगे जबकि 48 मैच आठ बजे से खेले जाएंगे. हालांकि लीग के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने कुछ दिनों पहले कहा था कि इस साल रात आठ बजे की बजाय सात बजे से मैच खेले जाएंगे और पहले जो मैच चार बजे से हुआ करते थे, वे 5.30 बजे से होंगे. स्टार पहली बार लीग का प्रसारण करेगा.

भारत का तिहरा शतकधारी अब संभालेगा इस टीम की कप्तानी

नई दिल्ली। वीरेन्द्र सहवाग के बाद भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज करुण नायर अब नागपुर में रणजी चैंपियन विदर्भ के खिलाफ 14 से 18 मार्च तक होने वाले ईरानी ट्रॉफी कप में शेष भारत की कप्तानी संभालेंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सीनियर चयन समिति ने ईरानी कप के लिए शेष भारत टीम की घोषणा की है। ईरानी कप मैच रणजी चैंपियन विदर्भ और शेष भारत के बीच खेला जाएगा। शेष भारत टीम में शानदार फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज मयंक अग्रवाल और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को शामिल किया गया है। टीम में मुंबई के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शा भी शामिल हैं जिनकी कप्तानी में भारत ने अंडर-19 विश्वकप का खिताब जीता था। शेष भारत टीम में शामिल मयंक को एकबार फिर चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का मौका मिलेगा। मयंक ने विजय हजारे ट्रॉफी फाइनल में सौराष्ट्र के खिलाफ मात्र 79 गेंदों में 11 चौके और तीन छक्के उड़ाकर 90 रन की पारी खेली थी और अपनी टीम कर्नाटक को तीसरी बार चैंपियन बनाया था। इस सत्र में सभी फार्मेट में 2000 से ज्यादा रन बना चुके मयंक का टूर्नामेंट में आठ पारियों में यह सातवां 80 से ज्यादा का स्कोर था। उन्होंने महाराष्ट्र के खिलाफ सेमीफाइनल में भी 86 गेंदों में 81 रन बनाए थे और फाइनल में 79 गेंदों में 90 रन ठोके थे।

टीम: करुण नायर (कप्तान), पृथ्वी शा, अभिमन्यु ईश्वरन, आर समर्थ, मयंक अग्रवाल, हनुमा विहारी, केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, जयंत यादव, शाहबाज नदीम, अनमोलप्रीत सिंह, सिद्धार्थ कौल, अंकित राजपूत, नवदीप सैनी और अतीत सेठ।

श्रीनाथ अरविंद ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज श्रीनाथ अरविंद (33) ने कर्नाटक के विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट का चैम्पियन बनने के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। अरविंद ने 2015 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था। इस मैच में उन्होंने 44 रन देकर एक विकेट लिया था। अरविंद ने कहा कि मैंने घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं जीत के साथ करियर को खत्म करना चाहता था और विजय हजारे के फाइनल में जीत से बेहतर कुछ और नहीं हो सकता था। फाइनल में कर्नाटक ने सौराष्ट्र को 41 रन से शिकस्त दी। अपने दस साल के करियर में अरविंद ने 56 प्रथम श्रेणी मैच में 186 विकेट झटके जिसमें दो बार पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं। धीमी पिचों पर वह अक्सर बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी भी करते थे। उन्होंने 84 टी-20 मैचों में 103 विकेट लिए। उन्होंने आईपीएल के कुछ सत्रों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भी खेला हैं। अरविंद ने कहा कि टीम में प्रसिद्ध कृष्णा और टी प्रदीप जैसे काबिल तेज गेंदबाजों के आने के बाद उन्होंने करियर के शीर्ष पर संन्यास लेने का फैसला किया। अरविंद ने आर विनय कुमार और अभिमन्यु मिथुन के साथ मिलकर सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों की तिकड़ी बनाई। उनके टीम में रहते हुए कर्नाटक ने सभी राष्ट्रीय टूर्नामेंट अपने नाम किए जिसमें रणजी ट्रॉफी, ईरानी कप, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली टी-20 चैम्पियनशिप शामिल है।

2019 के वर्ल्ड कप के बाद युवराज करेंगे अपने संन्यास का ऐलान

मोनाको (एजेंसी)।

काफी अर्से से भारतीय टीम से बाहर हरफनमौला युवराज सिंह ने कहा है कि वह 2019 तक क्रिकेट खेलते रहेंगे और उसके बाद संन्यास पर फैसला लेंगे। युवराज ने भारत के लिये आखिरी वनडे जून 2017 में खेला था। उन्होंने कहा कि आईपीएल का आगामी सत्र उनके लिये काफी अहम है क्योंकि इसमें अच्छे प्रदर्शन से विश्व कप 2019 खेलने का उनका दावा पुख्ता हागा।

उन्होंने यहां 18वें लारेस विश्व खेल पुरस्कारों से इतर प्रेस ट्रस्ट से कहा, 'मैं आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मेरे लिये यह काफी अहम टूर्नामेंट है क्योंकि इससे 2019 तक खेलने की दिशा तय होगी। मैं 2019 तक खेलना चाहता हूं और उसके बाद आगे के लिये फैसला लूंगा।' विश्व कप 2011 में भारत की खिताबी जीत के सूत्रधार रहे युवराज कैंसर से जंग जीतकर फिर मैदान पर लौटे। उन्होंने कहा कि उनके कैरियर में एकमात्र मलाल यह रहेगा कि वह टेस्ट टीम में जगह पक्की नहीं कर सके।

उन्होंने कहा, 'मेरे कैरियर के पहले छह सात साल में मुझे ज्यादा मौके नहीं मिले क्योंकि उस समय टेस्ट टीम में बेहतरीन खिलाड़ी थे। जब मौका मिला तो मुझे कैंसर हो गया तो यह मलाल तो हमेशा रहेगा लेकिन चीजें आपके हाथ में नहीं होती।' युवराज ने भारतीय कप्तान विराट कोहली और टीम की तारीफ की जिसने दक्षिण अफ्रीका में वनडे और टी20 श्रृंखलायें जीती है।

उन्होंने कहा, 'यह बेहतरीन प्रदर्शन रहा। टेस्ट श्रृंखला हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी की और कोहली ने मोर्चे से अगुवाई की।' युवराज ने कहा, 'स्पिनरों का प्रदर्शन शानदार रहा खासकर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव का । विदेश दौरे पर तीन श्रृंखलायें खेलना और उनमें से दो जीतना बताता है कि भारतीय टीम का कितना दबदबा रहा।' उन्होंने कहा,'अब टीम का लक्ष्य इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में जीतना होगा । अगर लगातार यही प्रदर्शन करते रहे तो खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढेगा।'

सूरत। सचिन विस्तार के इकलेरा गांव में पेट्रोल और डीजल की हेराफेरी करते हुए आईसर टेंपो में आग लग गई। आग लगने से आसपास में खड़ी कई गाड़िया चपेट में आगई। जिससे निकट ही खड़ी फोरचुनर गाड़ी समेत अन्य 3 गाड़ियां आग की चपेट में आ गई। आग से लाखो रुपए का नुकसान हुआ, लेकिन किसी की हताहत होने की खबर नहीं है। यह आग पेट्रोल डीजल की हेराफेरी करते समय लगी जिस स्थल पर आग लगी वहां अंडरग्राउंड टाकी है जिसमें बड़ी मात्रा में पेट्रोल डीजल की चोरी करके संग्रह किया जाता था। इस तरह की आशंका जताई जा रही है। अस्थानिक पुलिस ने मौके पर जाकर जांच शुरू कर दी है।

सचिन विस्तार की साई दृष्टि सोसाइटी में अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति पर किया हमला

इनामी कूपन को लेकर बवाल

सूरत। सचिन विस्तार की साईं दृष्टि सोसाइटी में इनामी कूपन बेचने के लिए आए एक व्यक्ति पर बोली चालू होने पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। नंदकिशोर महंतों पर लाठी-डंडों से हमला कर वहा से फरार हो गए। इस घटना के बाद लोगों में एक डर का माहौल बना हुआ है। सोसायटी के लोगों का कहना है, की पुलिस के अंदाज में आकर इस तरह का हमला करने वाले हमलावरों पर क्या कोई कानूनी कार्यवाही की जाएगी। हालांकि इस मामले में पुलिस ने फरियाद दाखिल करके आगे की जांच शुरू कर दी है

गुजरात सरकार द्वारा जनता के लिए खुश खबर (सूचना)

मनमानी फिस नहीं वसूल सकते प्राईवेट स्कुल वाले : शिक्षा मंत्रालय गुजरात राज्य

सूरत : गुजरात सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 25 अप्रैल 2017 को एक परिपत्र बहार किया गया था। यानि सूचना प्रकाशित कि गई थी कि पूर्व माध्यमिक स्कुलों में वाषिक फिस 15000 तथा माध्यमिक व उच्चत्तर माध्यमिक स्कुलों में 25000 व उच्चत्तर माध्यमिक स्कुल सायन्स में 27000 रुपये वार्षिक फिस लगाई गई है। अगर इससे ज्यादा फिस की वसूली की जाएगी तो उसकी शिकायत मिलने पर सरकार द्वारा उसके उपर कानूनी कार्यवाही कि जाएगी। स्थानिय चेनलों पर दिखाई गई न्युज के आधार से यह मालूम पड़ता है कि बड़े स्कुल के संचालक अपनी मरजी का न्युज दिखाने के लिए इलेक्ट्रोनिक मिडिया को अपनी मुठ्ठी में बंद कर लिए है इस बात की चर्चा शहर में जोरो से चल रही है। जिससे आपके सामने सच्चाई स्पष्ट दिखाई दे रही है। इस बात का विरोध स्वराज अभियान के नेता मनोज चांदाला अपनी तरफ से इलेक्ट्रोनिक मिडिया की गोर निंदा करते हुए सरकार द्वारा 25/4/17 का परिपत्र हमारे संवाददाता को दिए।

हंगामे की वजह से अध्यक्ष ने विपक्ष को सस्पेन्ड किया

अहमदाबाद, गुजरात मुद्दे को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास हो रहा है। विपक्ष इस बार मजबूत स्थिति में और विशेष करके कांग्रेस विधायक युवा होने से विधानसभा गृह में विपक्ष स्वाभाविक रूप से शासक पार्टी पर हावी हो रहा है। बुधवार को विपक्ष पेट्रोल-डीजल पर सेस को लेकर आक्रामक भूमिका में आ गया था और कांग्रेस के विधायकों ने सरकार पर इस मुद्दे को लेकर कड़े प्रहार किए गए थे। जिसे लेकर फिर एकबार विपक्ष और शासक पक्ष के सदस्यों के बीच आरोप-प्रतिआरोप लगाये गये थे। विपक्ष ने राज्य में पेट्रोल-डीजल, सीएनजी पर लिया जाता टैक्स को लेकर सरकार पर हल्लाबोल किया गया था। विपक्ष के सदस्यों ने अध्यक्ष के पास वेल में जाकर धरणा और धुन भी आयोजित किया गया था।

वेल में कांग्रेस के सदस्य चले जाने पर अध्यक्ष ने इसे गंभीरता लिया था और विपक्ष के संबंधित सदस्यों को बुधवार शाम तक सस्पेन्ड करने की घोषणा की गई थी। विधानसभा गृह में चल रहे बजट सत्र में आज प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष कांग्रेस के विधायकों ने पेट्रोल-डीजल पर सेस को लेकर भारी हंगामा किया गया और सरकार पर कड़े प्रहार करके गंभीर आरोप लगाये गये थे। जिसे लेकर गृह का माहौल तनावपूर्ण हो गया था। एक समय तो कांग्रेस के विधायकों ने भारी हंगामा करते हुए वेल में चले गये गृह के अध्यक्ष ने बुधवार शाम तक उनको सस्पेन्ड कर दिया था।

इतना ही नहीं, अध्यक्ष ने विपक्ष के सदस्यों को गृह से बाहर ले जाने की सार्जन्ट को सूचना देने पर कांग्रेस विधायक नाराज हो गये थे और हत्या हुई, हत्या हुई, लोकतंत्र की हत्या हुई गंभीर नारेबाजी करके गृह के माहौल को तनावपूर्ण बना दिया।

गुजरात विधानसभा के पिछले छह दिन से चल रहे बजट सत्र में विपक्ष कांग्रेस द्वारा हररोज किसी न किसी मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा जाता है और संवेदनशील

डाकोर : लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे है : रिपोर्ट

आज सुबह में मंगला आरती: मंदिर का प्रेवश दरवाजा खुलने के साथ हीजयरणछोड़ के नारों के साथ दर्शन

अहमदाबाद, खेडा जिला के डाकोर में विश्वप्रसिद्ध रणछोडराय के मंदिर में पूर्णिमा के दिन गुरुवार को पांच लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन करेंगे। प्रशासन और मंदिर व्यवस्था समिति द्वारा सभी सतर्कता के कदम उठाये गये है। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में लेकर कोई भी घटना या भगदड़ की घटना नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखा गया है मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्रों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। डाकोर में भारी भीड़ अभी जारी है। देर रात तक और श्रद्धालु पहुंचेंगे ऐसी संभावना है। गुरुवार को सुबह में मंगला आरती की जायेगी। गुरुवार को सुबह में रणछोडराय के मंदिर में पूर्णिमा मेले में करिया ठाकोर के दर्शन के लिए भी भीड़ रहेगी। विभिन्न सेवा केन्द्रों पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदिर और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाये गये है। डाकोर मार्ग अब श्रद्धालुओं से हाउसफुल दिखाई दे रहे हैं। चारों तरफ जय रणछोडराय के नारे देखने को मिल रहे है। खेडा जिला के डाकोर में स्थित रणछोडराय मंदिर में मेले की शुरुआत पहले से ही हो चुकी है। अब इसमें श्रद्धालुओं की संख्या में प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। पूर्णिमा तक सभी जगह हाउसफुल हो जायेंगे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए इस बार अहमदाबाद, डाकोर और गोधरा तथा कठलाल मार्ग पर जय रणछोडराय के नारे देखने को मिल रहे है। पैदलयात्री के मनोरंजन के लिए भी गुरुवार को तीर्थयात्रा विकास बोर्ड की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। तीर्थ मार्ग पर जगह -जगह पर लारी-गल्ला और फेरिया लग गये है। पैदल यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए और भगदड़ को टालने के लिए महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग रेलिंग बनायी गई है। कलेक्टर केके निराला ने कहा है कि, स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

श्रद्धालुओं के लिए रात के समय में तीर्थयात्रा विकास बोर्ड की तरफ से नरसिंग टेकरी के सामने बनाये गये विशाल जगह पर भगवान कृष्ण के साथ संबंधित नाटक बताये जायेंगे। दूसरी तरफ डाकोर मार्ग पर पहुंचे रहे लोगों को जरूरी सुविधा देने के लिए स्वैच्छिक टीमें सक्रिय हो गई है। यह टीमें लोगों की मदद कर रही है।

शालासर बालाजी महाराज होली अवसर पर सूरत दौरे पर :पानी का दुरउपयोग न करने की कि अपील

सूरत : शहर के पांडेसरा विस्तार में स्थित दक्षेश्वर मन्दिर के पास महावीर कोम्पलेक्ष में संध्यापूजा आरती प्रकरण में हमारे सम्वाददाता के शामिल होने से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह मालूम पड़ा कि महाराज शालासर बालाजी के एक प्रत्यक्ष रुप दर्शी है। महाराज पुलिस ओफिसर भी है। परन्तु सरकार से प्राप्त होने वाली आपत्ती सम्पूर्ण पगार को एक गौशाला में दान देते है।

और अभी तक हजारो गरीब लड़कीयों की शादी भी करा चुके है। महाराज की कु छ आपबीती कहानियाँ भी आश्चर्य चकित है। एक बार महाराज पहाड़ी घाटी में अपने एक आश्रम पर अपने कुछ भक्तों के साथ जा रहे थे रास्ते में अचानक महाराज की सफारी गाडी का एक ट्रक से एक्सीडन्ट हो गया जहाँ ट्रक के कयी पार्ट टूट गये और सफारी भी विध्वन्स हो गई। परन्तु गाडी में बैठे किसी व्यक्ति को खरोच तक नही आई, ट्रक सफारी पर चढ़ती जा रही थी कि महाराज अपने हाथ से ट्रक को पकड़ कर जय श्री राम बोले और ट्रक उसी पर रुक गई। लोग देखकर आश्चर्य चकित रह गए महाराज के हाथ लगाते समय सिर्फ हाथ में फैक्चर जैसा हो गया जिसे डोक्टर बिना बेहोश किये टाका लगा दिये और ठीक हो गया परन्तु आज उगली टेढी दिखाई दे रही है। ऐसे एक नही सभी कृतार्थ महाराज के मालूम पड़े जिससे यह जानकारी मिली कि महाराज शालासर बालाजी के एक स्वरुप है। महाराज शालासर बालाजी द्वारा शहर के विभिन्न विस्तारों में होली के उपल्क्ष में अपने भक्तों को पानी को दुरउपयोग न करके केवल गुलाल और फुलो की होली खेलने का संदेश देंगे।

केनेडा भेजने के बहाने युवक के साथ 17 लाख की ठगी

सूरत। पूणागांव, सीताराम सोसायटी विभाग-5 में रहनेवाले और प्राइवेट कंपनी में सेल्समैन के तौर पर नौकरी करने वाले युवक ने केनेडा जाने के लिए अमरोली क्षेत्र में रहनेवाले एक युवक को दो वर्ष पहले 17 लाख रुपये दिये थे। लेकिन आज तक उसे वर्क परमीट तथा विजा नहीं मिलने पर उसने उसके खिलाफ अमरोली पुलिस में ठगी की शिकायत दर्ज कराई। घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार पूणागांव, सीताराम सोसायटी में रहनेवाले और जंतुनाशक दवाओं का मार्केटिंग करनेवाले विपुल कप्पडभाई कवाड को दो वर्ष पहले केनेडा जाना था।

चोटा बाजार में मनपा ने पुन: चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

सूरत। सूरत महानगरपालिका ने आज चौटा बाजार में अतिक्रमण हटाने की एक और बार कार्यवाही की। मु य रोड से शुरु कर खपाटिया चकला, बालाजी रोड, सूरत जनरल हॉस्पिटल आदि तमाम क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाया गया और जो सामान हाथ लगा उसे उठा लिया गया। हलांकि फेरीवालों की मनमानी देखने को मिली। सुबह कार्यवाही के बाद दोपहर तक फेरीवाले पुन: जहां तहां अतिक्रमण कर खडे हो गये।

चौटा बाजार क्षेत्र ट्राफिक को लेकर सूरत के लोगों और महानगरपालिका के लिए सिर का दर्द साबित हो रहा है। महिलाओं के लिए पसंदीदा इस बाजार में दुकानदारों ने पहले से ही फेरिवालों तथा स्टोल्स की आदत डाल दी थी। हलांकि अब वे भी परेशान हो गये हैं। बिलकुल मनमानी पर उतर आये हों इस प्रकार चौटा बाजार क्षेत्र में इस तरह से अतिक्रमण कर देते हैं कि चलना तक दुरुह हो जाता है। ऐसे तो चौटा बाजार और उससे संलग्न मार्ग सार्वजनिक मार्ग हैं लेकिन यहां से दुपहिया वाहन लेकर निकलना भी कठिन है। समीप में ही सूरत जनरल हॉस्पिटल स्थित है। हलांकि वहां ए ब्युलेंस पसार होने की संभावना नहीं है। इसके पूर्व भी चौटा बाजार क्षेत्र से अतिक्रमण दूर किये जाने को लेकर कई बार शिकायत हो चुकी है और स्थानिय नेताओं ने भी उसमें मध्यस्थता की थी। हलांकि सूरत मनपा और पुलिस तंत्र भी यहां अतिक्रमण हटाने में लाचार साबित हो रहा है। आज सुबह मनपा तंत्र ने पुन: अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की और सामान भी जब्त किया। लेकिन दोपहर बाद पुन: अतिक्रमण जस के तस देखने को मिले। कहा जाता है कि एक सप्ताह के भीतर मनपा द्वारा यह तीसरी बार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है। हलांकि यह कार्यवाही प्रभावी नहीं साबित हुई है।

जॉबवर्क व्यापारी के साथ 54.85 लाख की ठगी

सूरत। सलाबतपुरा पुलिस सीमा आंजणा फार्म में स्थित सांईकृपा इण्डस्ट्रीज के एक खातेदार साझेदारों ने सीमाडा गांव निवासी तथा जॉबवर्क करने वाले व्यापारी के पास से कपडे पर लेसपट्टी का जॉबवर्क कराकर 54.85 लाख रुपये मजदूरी के नहीं चुकाकर ठगी की। जिनके खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमाडागांव , जयभवानी सोसायटी में रहनेवाले तथा जॉबवर्क पर मजदूरी काम करने वाले अश्विन बाबुभाई गोंडलिया ने दर्ज कराई शिकायत के अनुसार आंजणा फार्म में स्थित सांईकृपा इण्डस्ट्रीज में खाता नंबर 9811 के पहले मंजिले पर कपडे का व्यापार करने वाले जीतु जशमतभाई हिरपरा तथा मनीष नटवरभाई जोशी ने वर्ष 2016 से उनके पास से कपडे लेसपट्टी का जॉबवर्क कराकर बकाया रुपये 54.85 लाख रुपये का पैमेन्ट नहीं दिया। वारंवार की उगाही के बावजूद पैमेन्ट नहीं दिये जाने से उनके खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस में ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

शहर में तापमान बढने के साथ शहरवासी गर्मी से परेशान

सूरत। शहर में शीत ऋतु तकरीबन समाप्त होने के कागार पर है। ऐसे में मार्च माह से पूर्व गर्मी का पारा 38 डिग्री से उपर जाने के कारण लोगों को दोपहर के समय तीव्र गर्मी का सामना करना पड रहा है। आगामी रोज मार्च माह का प्रारंभ हो रहा है। ऐसे में आनेवाले दिनों में गर्मी का पारा उत्तरोत्तर बढने की संभावना मौसम विभाग द्वारा व्यक्त की जा रही है। इसके अलावा गत रोज तापमान का पारा 38.4 डिग्री तक पहुंच गया था। जिससे शहरवासियों ने ठंडे पेय का सहारा लेकर ठंडक प्राप्त की थी। मौसम विभाग के अनुसार आज शहर का अधिकत्तम तापमान 38 डिग्री सेल्शियस और न्युनत्तम तापमान 22.8 डिग्री सेल्शियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का प्रमाण 68 प्रतिशत व हवा का दबाव 1002.5 मिलीबार दर्ज हुआ। पश्चिम और दक्षिण दिशा से प्रति घंटे पांच किलोमीटर की गति से हवा चल रही है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में गर्मी का पारा 40 डिग्री के पार होने के साथ तीव्र गर्मी पड सकती है। पिछले कई दिनों से वातावरण में उलेखनीय परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

लिंबायत में दूषित और दुर्गंधयुक्त पानी की समस्या: स्थानिय त्राहिमाम

लिंबायत जोन के अधिकारियों को अल्टीमेटम

सूरत। गर्मी के प्रारंभ में एक ओर पानी कटौती की समस्या सामने आ रही है, सूरत मनपा पानी संग्रह का प्रयास कर रही है दूसरी ओर पालिका के लिंबायत जोन में विविध क्षेत्रों में लोगों को दूषित और दुर्गंधयुक्त पानी के कारण विकट स्थिति का सामना करना पड रहा है। गंभीर बात तो यह है कि यहां गटर और ड्रेनेज लाइन के साथ पीने की पाईप लाईन पसार होती है। मजबूरन स्थानिय लोगों को गंदा पानी पीना पड रहा है। दूसरी ओर जोन के अधिकारी इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं। आज स्थानिय महिलाओं ने एकत्र होकर अधिकारियों को खिलाफ आक्रोष व्यक्त किया और इस समस्या का निवारण नहीं होने पर धरना करने की चेतावनी दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत के आजाद चौक, रेल राहत कॉलोनी सहित क्षेत्रों में लंबे समय से दूषित और दुर्गंधयुक्त पीने की पानी की सप्लाई हो रही है। रोष के साथ एकत्रित हुई स्थानिय महिलाओं ने अपनी समस्या से वाकिफ कराते हुये कहा कि मात्र आधे घंटे पानी आता है और उसमें भी पहले गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी आने से उसे निथारना पडता है जिसके बाद उसका उपयोग किया जाता है। इस समस्या के संदर्भ में कई बार शिकायत वोर्ड ऑफिस और लिंबायत जोन में किये जाने के बावजूद अधिकारी इसे गंभीरता से नहीं लेते। इतना ही नहीं जब महिलायें जोन में जाकर इस समस्या की शिकायत करती हैं उस समय कई अधिकारी व कर्मचारी यह कहकर वापस भेज देते हैं कि क्या तुमारे घर के आदमियों ने चुंडी पहन रखी है क्या? हाल की स्थिति इतनी हद तक खराब हो गई है कि वह फिलहाल नल के पानी का उपयोग मात्र घर के बर्तन व कपडे धोने के लिए करते हैं। जबकि पीने के पानी के लिए टेन्कर मंगवाना पडता है। पालिका एक ओर लोगों से कर की वसूली जोर-शोर से करती है वहीं दूसरी ओर लिंबायतवासी पानी की समस्या पीडित हो रहे हैं जिनकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

विविध मागों को लेकर सूरत सहित देश के एक लाश के अधिक कुली हडताल पर

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को होना पडा परेशान

सूरत। सूरत रेलवे स्टेशन के 200 से अधिक कुलियों सहित देशभर के करीब 1.25 लाख कुली अपनी विविध मांग को लेकर आज सामूहिक हडताल पर उतर गये थे। जिसके कारण स्टेशन पर जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पडा। उन्हें अपना लगेज स्वयं ही उठाना पडा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत रेलवे स्टेशन पर करीब 265 कुली लायसंस धारक है। प्रतिदिन स्टेशन पर लाखों यात्रियों का सामान उठाने वाले कुली आज अपना काम ठप्प कर हडताल पर उतर गये थे। पुरे स्टेशन पर कुली नहीं दिखाई देने से भारी सामान लेकर चलने वाले यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पडा। कुलियों की मांग है कि उन्हें प्रमोशन देकर ग्रुप डी में शामिल किया जाये, 2008 के अनफिट कुलियों को ग्रुप-डी के अन्य पदो पर नियुक्त किया जाये, वृद्ध कुलियों को पुत्रों को उनके स्थान पर नौकरी दी जाये तथा वृद्ध कुलियों को पेशन दिये जाने की मांग शामिल थी। कुलियों ने हडताल के साथ रेलवे के उच्च अधिकारियों तथा आरपीएफ और जीआरपीएफ को इस संदर्भ में लिखित में जानकारी दी थी। सूरत सहित देश के अलग-अलग स्टेशनों पर करीब 1.25 लाख कुली हडताल में शामिल हुये थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com